NEWS CLIPPING:01.06.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

Writer and Social Worker Mrs. Sweety Tomar Presents Her Book 'Samvedna Ki Pukar' to Chief Minister Mr. Manohar Lal

Sanjay Chaturvedi
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : Eminent writer and dedicated social worker, Mrs. Sweety Tomar, presented her latest book titled 'Samvedna Ki Pukar' to Haryana Chief Minister, Mr. Manohar Lal, in Chandigarh today. Mrs. Tomar was accompanied by her husband, Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, who extended his courtesy meeting to the Chief Minister. During the meeting, Mrs. Tomar discussed the social issues concerning girl education and child marriage that are addressed in her book. She emphasized that education is a fundamental right of every child, regardless of their gender, and plays a pivotal role in establishing equality within society. During the meeting with the Chief Minister, Mrs. Tomar apprised about the pressing social issues concerning girl education and child marriage that are addressed in her book. She emphasized that education is a fundamental right of every child, regardless of their gender, and plays a pivotal role in achieving equality within society. Chief Minister Mr. Manohar Lal appreciated Mrs. Tomar's initiative in penning down a book that addresses such significant societal issues. He recognized the potential impact of books and literature such as 'Samvedna Ki Pukar' holds in creating a profound change within our society and commended Mrs. Tomar for her efforts to shed light on the importance of girl education and eradicate child marriage from our society. Through 'Samvedna Ki Pukar', Mrs. Tomar eloquently delves into the social challenges faced by girls in accessing education and the detrimental effects of child marriage. Her work serves as a wake-up call, urging individuals and communities to prioritize education and eliminate regressive practices that hinder the progress of young girls. A devoted social worker, Mrs. Sweety Tomar has consistently used her platform to advocate for the rights and empowerment of marginalized sections of society. 'Samvedna Ki Pukar' is a significant contribution to her remarkable body of work, inspiring readers to reflect upon these pressing issues and take action to foster positive change. The event concluded with heartfelt gratitude expressed by Mrs. Tomar and her husband, Prof. Sushil Kumar Tomar, towards Chief Minister Mr. Manohar Lal for his unwavering support.

Eminent writer and social worker Mrs. Sweety Tomar presenting a copy of her book 'Samvedna Ki Pukar' to the Chief Minister of Haryana, Mr. Manohar Lal.

> **CHIEF MINISTER MR. MANOHAR LAL APPRECIATED MRS. TOMAR'S INITIATIVE IN PENNING DOWN A BOOK THAT ADDRESSES SUCH SIGNIFICANT SOCIETAL ISSUES. HE RECOGNIZED THE POTENTIAL IMPACT OF BOOKS AND LITERATURE SUCH AS 'SAMVEDNA KI PUKAR' HOLDS IN CREATING A PROFOUND CHANGE WITHIN OUR SOCIETY AND COMMENDED MRS. TOMAR FOR HER EFFORTS TO SHED LIGHT ON THE IMPORTANCE OF GIRL EDUCATION AND ERADICATE CHILD MARRIAGE FROM OUR SOCIETY.**

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:01.06.2023

AAJ SAMAJ

लेखिका एवं समाजसेवी स्वीटी तोमर ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को अपनी पुस्तक संवेदना की पुकार की भेंट

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बुधवार चंडीगढ़ में जानी-मानी लेखिका तथा समाजसेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक ह्रसंवेदना की पुकारह्व भेंट की। तोमर के साथ उनके पति तथा जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर तोमर ने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाये गये बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बल दिया कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यह समाज के भीतर समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर पुस्तक लिखने पर श्रीमती तोमर की पहल की सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य, विशेष रूप से पुस्तक-पुस्तिकाएं समाज में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

एक समर्पित समाज सेविका के रूप में स्वीटी तोमर समय-समय पर समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए अपनी लेखनी के माध्यम से आवाज उठाती रहती है। ह्रसंवेदना की पुकारह्व उनके लेखन कार्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों को इन गंभीर मुद्दों पर चिंतन करने और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करेगा।

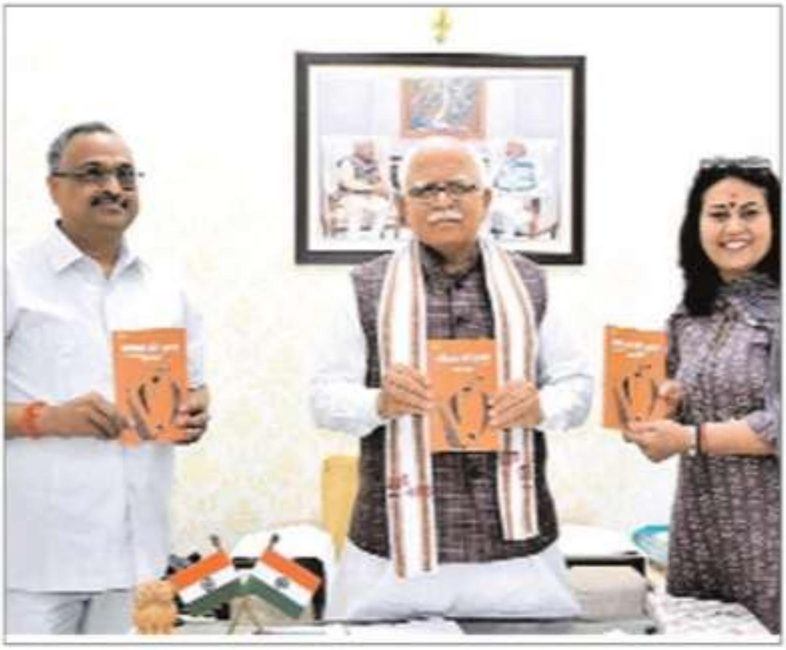

मुख्यमंत्री मनोहरलाल को स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक संवेदना की पुकार भेंट करते हुए। **आज समाज**

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:01.06.2023

AMAR UJALA

'संवेदना की पुकार' पुस्तक मुख्यमंत्री को भेंट की

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बुधवार को चंडीगढ़ में लेखिका व समाजसेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार' भेंट की। इस दौरान जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाए गए बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, फिर चाहे वह लड़की हो या लड़का। 'संवेदना की पुकार' पुस्तक के माध्यम से उन्होंने शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और बाल विवाह के दुष्प्रभाव के विषय में बताया है। संवाद

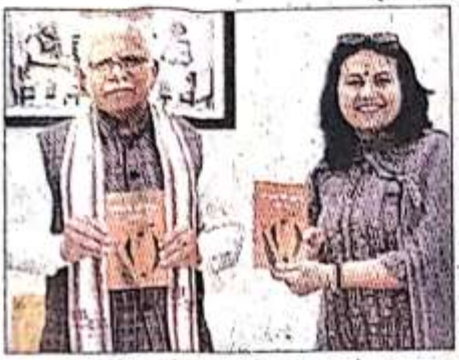

पुस्तक भेंट करते हुए। संवाद

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:01.06.2023

HADOTI ADHIKAR

स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार' सीएम को की भेंट

हाड़ौती अधिकार

चंडीगढ़, 31 मई। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को आज चण्डीगढ़ में जानी-मानी लेखिका तथा समाजसेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार' की एक प्रति भेंट की। तोमर के साथ उनके पति तथा जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर तोमर ने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाए गए बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर पुस्तक लिखने पर तोमर की पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य, विशेष रूप से पुस्तक-पुस्तिकाएं समाज में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। 'संवेदना की पुकार' पुस्तक के माध्यम से तोमर ने शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला है।

NEWS CLIPPING:01.06.2023

PIONEER

लेखिका एवं समाजसेवी स्वीटी तोमर ने मुख्यमंत्री को अपनी पुस्तक भेंट की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को चंडीगढ़ में जानी-मानी लेखिका तथा समाज सेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक संवेदना की पुकार भेंट की। तोमर के साथ उनके पति तथा जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर तोमर ने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाये गये बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बल दिया कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यह समाज के भीतर समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर पुस्तक लिखने पर तोमर की पहल की सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य, विशेष रूप से पुस्तक-पुस्तिकाएं समाज में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। संवेदना की पुकार पुस्तक के माध्यम से तोमर ने शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला है। एक समर्पित समाज सेविका के रूप में स्वीटी तोमर समय-समय पर समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए अपनी लेखनी के माध्यम से आवाज उठाती रहती है। संवेदना की पुकार उनके लेखन कार्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों को इन गंभीर मुद्दों पर चिंतन करने और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करेगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:01.06.2023

PUNJAB KESARI

स्वीटी तोमर ने मुख्यमंत्री को भेंट की अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार'

फरीदाबाद, 31 मई (सूरजमल): हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को आज चण्डीगढ़ में जानी मानी लेखिका तथा समाजसेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक संवेदना की पुकार भेंट की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल को अपनी पुस्तक संवेदना की पुकार भेंट करते हुए स्वीटी तोमर।

तोमर के साथ उनके पति तथा जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर तोमर ने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाये गए बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बल दिया कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यह समाज के भीतर समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि साहित्य, विशेष रूप से पुस्तक पुस्तिकाएं समाज में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। संवेदना की पुकार पुस्तक के माध्यम से श्रीमती तोमर ने शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला है। एक समर्पित समाज सेविका के रूप में स्वीटी तोमर समय समय पर समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए अपनी लेखनी के माध्यम से आवाज उठाती रहती हैं।

NEWS CLIPPING:01.06.2023

TEHELKA JAZBA

लेखिका एवं समाजसेवी स्वीटी तोमर ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार' भेंट की

तहलका जज्बा / वीना शर्मा

फरीदाबाद। बुधवार चण्डीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को लेखिका तथा समाजसेविका स्वीटी तोमर ने अपनी पुस्तक 'संवेदना की पुकार' भेंट की। स्वीटी तोमर के साथ उनके पति तथा जेसी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर श्रीमती तोमर ने मुख्यमंत्री से पुस्तक के माध्यम से उठाये गए बालिका शिक्षा और बाल विवाह से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बल दिया कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। यह समाज के भीतर समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर पुस्तक लिखने पर श्रीमती तोमर की पहल की सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य, विशेष रूप से पुस्तक-पुस्तिकाएं समाज में बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। समय-समय पर समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण के लिए अपनी

संवेदना की पुकार' पुस्तक के माध्यम से श्रीमती तोमर ने शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियों के सामने आने वाली सामाजिक चुनौतियों और बाल विवाह के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला है। एक समर्पित समाज सेविका के रूप में स्वीटी तोमर लेखनी के माध्यम से आवाज उठाती रहती है। 'संवेदना की पुकार' उनके लेखन कार्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो पाठकों को इन गंभीर मुद्दों पर चिंतन करने और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करेगा।